परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन
अहमदाबाद

श्री कैलाशचंदजी जैन
झाँसी

डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256
प्रधान संपादक
राजेन्द्र जैन ''बागो'', 9424013136
सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884
कोषाध्यक्ष –
सुधेश कुमार जैन, 9827254111
प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलंचद जैन, 9329524227
(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

श्री अनिलकुमार जैन
छतरपुर
9425879777

श्री विशाल जैन
पवा
9453167716

यदि आपको गोलालारीय दर्शन पत्रिका प्राप्त नहीं हो रही है तो अपने शहर के क्षेत्रीय प्रतिनिधियों से संपर्क कर पत्रिका प्राप्त करें।

शेष क्षेत्रीय प्रतिनिधियों की सूची आगामी अंकों में...

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/–
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/–
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/–
सहयोग राशि	500/–

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC: SBIN0003134
में जमा कर रसीप की फोटोकॉपी के साथ अपना नवीन पासपोर्ट साईज फोटो मय जानकारी के कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।

विज्ञापन शुल्क

अंतिम पेज	6000/–
फुल पेज (अंदर)	5000/–
1/2 पेज	3000/–
1/4 पेज	1500/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	1000/–
शोक संदेश फोटो सहित	500/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	150/–

एक विचारधारा : श्री गुलाबचंदजी जैन 'फणीश'

अखिल भारतीय गोलालारीय परिषद के संरक्षक एवं गोलालारीय समाज इन्दौर के पूर्व अध्यक्ष श्री गुलाबचंदजी जैन 'फणीश' का हमारे बीच से जाना एक खालीपन छोड़ गया। आपके मन में समाज के प्रति कार्य करने का अनुपमा ज़ज्बा था आपने कभी भी अपनी उम्र को इस ज़ज्बे पर भारी नहीं पड़ने दिया। जबलपुर सम्मेलन में आपने समाज को एक नारा दिया था कि **'गर्व से कहो हम गोलालारीय है'**।

इन्दौर समाज के अध्यक्ष पद पर रहते हुए आपने समाज हित में कई कार्य करे। समाज को एकजुट करने के लिए टिफिन पार्टी से लेकर स्नेह भोज का आयोजन की शुरुआत आपके कार्यकाल में हुई। वर्षों पूर्व पाटनीपुरा के जिस भवन में मंदिर था उसे भवन मालिक द्वारा विक्रय करने पर आपने समाज सदस्यों की सहमति से समाज हेतु क्रय कर वर्षों तक उसकी देखरेख करते रहे। कालंतर पश्चात उस भवन को तोड़कर उस स्थान पर एक सुंदर जिनालय का निर्माण आपके नेतृत्व में ही संपन्न हुआ। आपने कई वर्ष पूर्व ही अपने शरीर का दान चिकित्सा योगदान हेतु कर दिया था। 'जिंदा रहे तो समाज के लिए और मृत्यु के पश्चात भी समाज हित का विचार' यह एक अनुपम मिसाल है। गोलालारीय दर्शन परिवार आपको विनम्र श्रद्धांजली अर्पित करता है।

श्रद्धांजली

श्री राजमलजी जैन का स्वर्गवास 20 नवम्बर 2013 को इन्दौर में हो गया। आपने वर्ष 1971 में इन्दौर से बी.ई. सिविल की शिक्षा प्राप्त कर शासकीय सेवा में ग्वालियर, भिंड, मुरैना में पदस्थ रहे। आपकी स्मृति में आपके पुत्र राहुल जैन द्वारा समाज कार्यों के लिए 25000/– रु. की राशी दान स्वरुप श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, इन्दौर को दी गई।

श्री राजेन्द्रकुमारजी जैन 'सिलगन वालों' का स्वर्गवास 5 दिसम्बर 2013 को इन्दौर में हो गया। आप अत्यंत सरल एवं धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। प्रेमकुमारी देवी अस्पताल, बियाबानी, इन्दौर में आपने आयुर्वेदाचार्य के रुप में रोगियों की अंतिम समय तक सेवा की जो अपने आप में एक मिसाल है।। आप गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज के वरिष्ठ सदस्यों में से थे।

श्री गोलालारीय दिगम्बर समाज न्यास एवं गोलालारीय दर्शन परिवार अपनी ओर से विनम्र श्रद्धांजली अर्पित करता है।

भूमि पूजन, शिलान्यास समारोह संपन्न

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा। श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर गाँधी चौक गंजबासौदा में श्री भक्तामर महामंडल विधान एवं भूमि पूजन शिलान्यास समारोह दिनांक 29.11.2013 को परम पूज्य 108 आचार्य विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावी शिष्य 108 मुनिश्री अजितसागरजी महाराज, ऐलक 105 श्री सिद्धांत सागरजी महाराज एवं ऐलक 105 श्री विवेकानंद सागरजी महाराज के परम सानिध्य में एवं बा. ब्र. श्री प्रदीप भैयाजी सुयश अशोक नगर के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। श्री भक्तामर महामंडल विधान में शांतिधारा करने का सौभाग्य श्री राजेन्द्रकुमार भंडारी एवं श्री सनतकुमार सर्राफ को प्राप्त हुआ एवं सौधर्म इन्द्र श्री हजारीलाल भंडारी, कुबेर श्री सनतकुमार सर्राफ एवं महायज्ञनायक श्री अमित कुमार जैन सहारा ने अपनी चंचला लक्ष्मी का सदुपयोग कर विधान के मुख्य पात्र बनने का सौभाग्य प्राप्त किया। शिलान्यास में प्रथम मुख्य शिला श्री पवन कुमार जैन पवन प्रेस ने एवं द्वितीय मुख्य शिला मंदिर अध्यक्ष श्री नेमीचंद जैन एडवोकेट ने एवं अन्य पाँच शिला श्री निशंक जैन, मुन्नालाल राजेन्द्रकुमार जैन, श्री राकेश सर्राफ, श्री ज्ञानचंद जैन, श्रीमती राजमति नरेशचंद भंडारी ने रखी। इसी प्रकार भूमि पूजन के प्रमुख उपकरण जैसे गैती श्रीमति संध्या धर्मपत्नी श्री शांतिकुमार जैन, फावड़ा श्री अनिलकुमार जी दिवाकीर्ति, तगाड़ी श्री ज्ञानचंद भंडारी, कन्नी श्री देवेन्द्र कुमार जैन मीनू जनरल एवं सब्बल श्री जितेश जैन जे.के. स्टोन ने प्राप्त कर भूमि पूजन किया। तत्पश्चात मुनि संघ के मंगल प्रवचन में मुनिश्री ने बताया कि भव्य मंदिर दो मंजिल एवं तीन शिखर युक्त लाल पत्थर से निर्मित होगा। मुनिश्री ने कहा कि जिन शासन प्रवर्तक एक मात्र जिनालय होता है। जिसमें पाप कालिमा धुल जाती है एवं स्वर्ग मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। मंदिर किसी एक व्यक्ति या क्षेत्र का नहीं होता वरन संपूर्ण समाज का होता है इसलिये सभी को मंदिर निर्माण में तन मन धन से सहयोग देना होगा तभी शीघ्र अतिशीघ्र मंदिर अपना मूर्त रूप लेगा।

शब्द जाल प्रतियोगिता – 2

नीचे दिये गये अव्यवस्थित शब्द समूहों में भारतीय त्यौहारों के नाम छिपे है उन्हें ढूँढ़कर व्यवस्थित क्रम में लिखे और निम्नलिखित पते पर भेजें – **'गोलालारीय दर्शन'** 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर प्राप्त सही प्रविष्टियों का ड्रा निकालकर प्रथम 5 विजेताओं को पुरस्कृत किया जावेगा, आगामी अंक में उनके फोटो भी प्रकाशित किये जायेंगे।

संकेत – शब्द का पहला अक्षर रेखांकित किया गया है।

I O H L — HOLI

- I V R A H M A A Y N I J T A _____
- T A S C R H M I S _____
- W A L P E D A E I _____
- H A S K Y A Y T A R I T A _____
- A N S A A D R K H B N D H A _____
- A J Y A I V H S I M A D _____
- K I B A S H I A _____
- G N A P O L _____

नियम – प्रतियोगिता 8 वर्ष से 13 वर्ष तक के बच्चों के लिए ही है। प्रविष्टि भेजने की **अंतिम तिथि 31 जनवरी 2014** सही जवाब के साथ वर्ष 2013 की अंकसूची की फोटोकॉपी (जिसमें जन्म दिनांक अंकित हो) पर अभिभावक का नाम, टेलीफोन नंबर एवं प्रत्याशी का नवीन फोटो अवश्य भेजें। संपादक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।